(Printed Pages 7)

LH-15014

(913) LL.B. (Part II) (New Course)

(Second Semester)

Examination, Jan.-Feb.-2025

(Regular/ATKT/Ex.)

Compulsory/Optional

Paper - IV

Labour and Industrial Law-II

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Answer any **five** questions. All questions carry equal marks.

1. कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के मुख्य उद्देश्य क्या हैं, और इससे कर्मचारियों को कैसे लाभ होता है, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के तहत "बीमाकृत व्यक्ति" की अवधारणा को भी समझाते हैं।

https://www.abvvonline.com

लाभ के लिए कौन पात्र है?

What are the main objectives of the Employees' State Insurance Act, 1948, and how does it benefit employees also explain the concept of "insured person" under the Employees' State Insurance Act, 1948. Who is eligible for the benefits?

2. फैक्टरी अधिनियम, 1948 के तहत किसी प्रतिष्ठान को "फैक्टरी" के रूप में वर्गीकृत करने के लिए आवश्यक शर्तें क्या हैं? श्रमिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण से संबंधित कारखाना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों की व्याख्या करें।

What are the essential conditions for an establishment to be categorized as a "factory" under the Factories Act, 1948? Explain the provisions under the Factories Act, 1948, related to health, safety, and welfare of workers.

https://www.abvvonline.com

3. फैक्टरी अधिनियम, 1948 के तहत वयस्क श्रमिकों के लिए काम के घंटे और ओवरटाइम के संबंध में क्या प्रावधान हैं? फैक्टरी अधिनियम, 1948, खतरनाक प्रक्रियाओं में महिलाओं और युवाओं के रोजगार को कैसे संबोधित करता है?

What are the working hours and provisions regarding overtime for adult workers under the Factories Act, 1948? How does the Factories Act, 1948, address the employment of women and young persons in hazardous processes?

4. निषिद्ध व्यवसायों और प्रक्रियाओं के संबंध में बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 के प्रमुख प्रावधान क्या हैं? अधिनियम अनुमत रोजगार क्षेत्रों में बच्चों की कामकाजी परिस्थितियों को कैसे नियंत्रित करता है?

https://www.abvvonline.com

What are the key provisions of the Child Labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986, with respect to prohibited occupations and processes? How does the Act regulate the working conditions of children in permitted employment sectors?

5. बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर दंड क्या हैं? अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार सम्मेलनों के अनुरूप बाल श्रम अधिनियम में संशोधन पर चर्चा करें।

What are the penalties for violating the provisions of the Child Labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986? Discuss the amendments to the Child Labour Act to align with international child rights conventions.

https://www.abvvonline.com

6. मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए पात्रता मानदंड क्या हैं? मातृत्व अवकाश की अवधि और शर्तों के संबंध में मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 के प्रावधानों की व्याख्या करें।

What are the eligibility criteria for availing benefits under the Maternity Benefits Act, 1961? Explain the provisions of the Maternity Benefits Act, 1961, regarding the duration and conditions fo maternity leave.

7. ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 के तहत ग्रेच्युटी का दावा करने के लिए किसी कर्मचारी के लिए पात्रता मानदंड क्या हैं? अधिनियम के तहत ग्रेच्युटी के लिए गणना तंत्र और देय अधिकतम राशि की व्याख्या करें।

What are the eligibility criteria for an employee to claim gratuity under the Payment of Gratuity Act, 1972? Explain the calculation mechanism for gratuity under the Act and the maximum amount payable.

https://www.abvvonline.com

8. ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 कैसे कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा करता है और ग्रेच्युटी का समय पर भुगतान सुनिश्चित करता है? ग्रेच्युटी के भुगतान में देरी या गैर-भुगतान की स्थिति में कर्मचारियों के लिए क्या कानूनी उपाय उपलब्ध हैं?

How does the Payment of Gratuity Act, 1972, protect the rights of employees and ensure timely payment of gratuity? What are the legal remedies available to employees in case of delayed or non-payment of gratuity? https://www.abvvonline.com

9. बी. शाह बनाम श्रम न्यायालय के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 के प्रावधानों की व्याख्या कैसे की?

How did the Supreme Court interpret the provisions of the Maternity Benefits Act, 1961, in the case of B. Shah vs Labour Court?

https://www.abvvonline.com

10. भारत में सामाजिक न्याय और श्रम अधिकारों के क्षेत्र में आत तौर पर एशियाड वर्कर्स केस के रूप में जाने वाले ऐतिहासिक फैसले पर विस्तार से प्रकाश डालें, जिसमें मौलिक अधिकारों को लागू करने में जनहित याचिका (पीआईएल) की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है, विशेष रूप से समाज के हाशिए पर और कमजोर वर्गों के लोगों के लिए।

Elaborate on the Landmark judgment commonly known as the Asiad Workers' Case in the field of social justice and labour rights in India highlighting the role of public interest litigation (PIL) in enforcing fundamental rights, particularly those of marginalized and vulnerable sections of society.

https://www.abvvonline.com